. ले.क. मायानाथ झा नहि रहला

××××××××××××××××××

लेफ्टिनेंट कर्नल मायानाथ झा (भराम, जिला-मधुबनी) नहि रहला। तीन सितम्बरकेँ पटनाक मेदान्ता हौस्पिटलमे अन्तिम साँस लेलनि। ठीके छला, साँसक बीमारी एकाएक उखड़ि गेलनि, पहिने दरभंगाक आर.बी. मेमोरियलमे भर्ती कयल गेलनि, फेर पटना ल' जायल गेलनि– सप्ताह दिनमे खीसा खतम।

एकासी वर्षीय मायानाथ बाबू (जन्म-01अप्रैल1945) अपन कर्मठता, मिलनसारिता, मृदुभाषिता, विद्वत्ता आ साहित्यिक सुरुचिक कारणे सामाजिको क्षेत्रमे पर्याप्त लोकप्रिय भ' गेल छला। सेनासँ अवकाशप्राप्तिक बाद साहित्य- लेखन दिस प्रवृत्त भेला, ताहीमे डुमि गेला आ चौदह गोट पोथी प्रकाशित करबा लेलनि। पन्द्रहम पोथी "मन-मंजरी" प्रकाशनाधीन रहनि। रहथि ओ अङरेजी- हिन्दीक विद्वान् सेहो, मुदा मैथिलीमे पूरा रमि गेल रहथि। अपन पहिले पोथी 'जकर नारि चतुर होइ' (बालकथा-संग्रह) हुनका 'साहित्य अकादेमी बालपुरस्कार'सँ सम्मानित करा देलकनि। अनुवादको ओ सिद्धहस्त रहथि। सर्वेकत्वेन ओ एक पोथी अङरेजीक, दू पोथी हिन्दीक, तीन पोथीक मैथिली अनुवाद ओ आठ मूल पोथी मैथिलीमे प्रकाशित करबौलनि। ताहिमे एक आत्मकथा थिकनि– 462 पृष्ठक ओ पोथी वस्तुत: हुनक "जिनगीक चिनगी"ए छनि। ओहि पोथीमे हुनक जीवन-संघर्षसँ परिचय होइत अछि तथा भारतीय सेनाक प्रसंग अनेक महत्वपूर्ण ज्ञातव्य विषयक जनतब सेहो भेटैत अछि।

प्रकाशित पोथी–
1.जकर नारि चतुर होइ (बालकथा)
2.Unique Utterances
3.अनूठी सूक्तियाँ (संकलन)
4.तब और अब (कवितासंग्रह)
5.श्रद्धा सुमन (मैथिली कवितासंग्रह)
6.इजोत (कथासंग्रह)
7.हास्य ऊर्जा (चुटुक्का संग्रह)
8.एनिमल फार्म (अनुवाद)
9.बहुरंगी गीतमालिका (संकलन)
10.पापा,आब एना नहि करब (अनुवाद)
11.बडक गाछ तर (अनुवाद )
12. जिनगीक चिनगी (आत्मकथा)
13.खटरास (भ्रमण-संस्मरण-स्फुरण)
14.मन पडैत गेल (लोकोक्ति,रचना संग्रह)

ओ हमर कौलिक भाइ रहथि। वयसेँ दू वर्ष छोट छला, किन्तु विद्या, ऊर्जा, व्यवहार ओ लेखन-गतिमे हमरासँ बहुत आगाँ रहथि।

श्रद्धासुमनांजलि—

….आइ हुनक 'नहकेस' थिकनि…